University in News on 12 May 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नई शिक्षा नीति में दिलचस्पी दिखा रहा बांग्लादेश

लखनऊ विश्वविद्यालय बांग्लादेश में शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रहा है। बांग्लादेश भी नई शिक्षा नीति की नई प्रणाली की खूबियों को समझने में दिलचस्पी दिखा रहा है। इसे लेकर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त मो. इमरान और उनके राजनीतिक सलाहकार शफीउल आलम के साथ बैठक कर वार्ता की। कुलपति ने बताया कि वे नई शिक्षा नीति की खूबियों को समझने में मदद कर सकते हैं। जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करती है और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमीक तौर पर तैयार करती है। उच्चायुक्त मो. इमरान ने बताया कि 40 हजार से अधिक भारतीय बांग्लादेश में विश्व के दूसरे सबसे बड़े परिधान उद्योग की मदद कर रहे हैं। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश चंद्रा प्रो. राजीव पांडे, प्रो. संगीता साहू भी मौजूद रहे। उच्चायुक्त ने कुलपति को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान पर एक पुस्तक भेंट की और कुलपति ने उन्हें लविवि की कॉफी टेबल बुक भेंट की।

शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग में एलयू को देश में 29वां स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। एडुरैंक की रैंकिंग में लविवि को देश में 29वां और विश्व में 1773वां स्थान मिला है। पिछले सत्र में इसी संस्थान की रैंकिंग में लविवि को देशभर के विश्वविद्यालयों में 58वीं रैंक प्राप्त हुई थी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए विवि के छात्रों और शिक्षकों के योगदान को सराहा। कहा कि सभी के एकजुट प्रयासों से ही विवि की गुणवत्ता में और उच्च मानदंड स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन पर कहा कि इसके लिए शैक्षणिक क्षेत्र में बहुआयामी विकास एवं गुणवत्तापरक शिक्षण के साथ शोध को बढ़ावा देने वाले अनेक नए कदम निर्णायक हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में देश के टॉप 50 में स्थान पाने वाला लविवि प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की सयुंक्त रैंकिंग में लविवि को चौथे स्थान (प्रथम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, द्वितीय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और तृतीय अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) प्राप्त हुआ है। रैंकिंग में शामिल केवल विश्वविद्यालयों की सूची में लविवि ने 16वां स्थान प्राप्त किया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

ईडीयू रैंकिंग में एलयू को देश में 29 वां स्थान मिला

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और उपलब्धि दर्ज की है। हाल ही में जारी ईडीयू रैंकिंग में एलयू को भारत में 29 वें और विश्व की समग्र रैंकिंग में 1773 वां स्थान मिला है। पिछले वर्ष जारी इसी रैंकिंग में 58वीं रैंक मिली थी।

एक साल के अन्तराल में विवि को 29 पायदान ऊपर स्थान मिला है। ईडीयू रैंकिंग अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी प्रदर्शन, गैर-शैक्षणिक प्रतिष्ठा और पूर्व छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में भारत के टॉप 50 में स्थान पाने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है।

1773 वां स्थान मिला पूरे विश्व में

■ एलयू रैंकिंग में स्थान पाने वाला प्रदेश में अकेला राज्य विवि

उत्तर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की सयुंक्त रैंकिंग में एलयू को चतुर्थ स्थान मिला है। प्रथम आईआईटी कानपुर, द्वितीय बीएचयू और तृतीय अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ है। एलयू के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी के प्रयासों से सफलता मिली है।

i-NEXT PAGE 4

देश में लखनऊ यूनिवर्सिटी का 29वां स्थान

लखनऊ यूनिवर्सिटी रिसर्च और शैक्षिक गुणवत्ता की वजह से वर्ल्ड रैंकिंग में जगह बनाने में सफल रही है. यूनिवर्सिटी को देश में 29वां और वर्ल्ड में 1,773 स्थान मिला है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और शिक्षकों के योगदान की सराहना की. डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पिछले साल ईडीयूरैंक की ओर से एलयू को 58वीं रैंक हासिल हुई थी. इस बार 29वां स्थान मिला है. रैंकिंग में भारत के टाप 50 में स्थान पाने वाले संस्थानों में एलयू प्रदेश की एकमात्र स्टेट यूनिवर्सिटी है.

शिक्षा के क्षेत्र में करीब आएंगे एलयू और बांग्लादेश

बांग्लादेश के उच्चायुक्त मोहम्मद इरमान ने भाषा यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह और लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात की. दोनों ही मुलाकातों में शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के आदान-प्रदान पर सहमति बनी. भाषा विद्यालय के वीसी प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि भाषा यूनिवर्सिटी और बांग्लादेश सरकार के मध्य जल्द करार होगा. प्रो. सिंह ने कहा कि बांग्लादेश की ढाका यूनिवर्सिटी एवं अन्य यूनिवर्सिटियों के साथ एमओयू स्थापित कर भाषा अनुवाद में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा. साथ ही फैकल्टी और स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम भी होगा. उच्चायुक्त ने भारत की नई शिक्षा नीति को भी सराहा.

AMRIT VICHAR PAGE 3

ईडीयू रैंक की विश्व रैंकिंग में लविवि को देश में 29वां स्थान

अमृत विचार, लखनऊ

एक शताब्दी से ऊपर का समय पूरा कर चुके लखनऊ विश्वविद्यालय को ईडीयू रैंक की ओर से जारी विश्व रैंकिंग में देश में 29वां स्थान मिला है। वहीं, विश्व में लविवि 1773वें स्थान पर है।

रैंकिंग के बारे में बुधवार को लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि इस रैंक के लिए तीन मानक निर्धारित किए गए थे। जिसमें अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी प्रदर्शन, को-करिकुलर एक्टिविटीज और पूर्व छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन की गुणवत्ता को आधार बनाया गया है। कुलपति ने बताया कि इससे पहले ईडीयू रैंक की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय को देश भर के विश्वविद्यालयों में 58वीं रैंक दी गई थी। इस बार 29वां स्थान हासिल हुआ है। इस रैंकिंग में देश के टॉप 50 में स्थान पाने वालों में लविवि उत्तर प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है। प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की संयुक्त रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को चौथा स्थान मिला है।

उपलब्धि

- लखनऊ विश्वविद्यालय को शैक्षिक गुणवत्ता के चलते मिली सफलता

देश के टॉप 40 में लखनऊ विश्वविद्यालय

इस रैंकिंग में देश के टॉप 40 में स्थान पाने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। उत्तर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की संयुक्त रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को चौथा स्थान (प्रथम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, द्वितीय बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और तृतीय अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) प्राप्त हुआ है।

> विश्वविद्यालय को मिली उपलब्धि में छात्रों और शिक्षकों का काफी योगदान रहा है। सभी ने एकजुट प्रयास किए। जिससे हमें गुणवत्ता और उच्च मानदंड स्थापित करने में सफलता मिली। अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन आएगा, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी महती भूमिका अदा करेगी।
> -प्रो. आलोक राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

ईडीयू रैंकिंग में लविवि को देश में मिला 29वां स्थान

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में जारी ईडीयू रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को भारत में 29 वें और विश्व की समग्र रैंकिंग में 1,773 वां स्थान मिला है। पिछले वर्ष जारी इसी रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को 58वीं रैंक मिली थी। एक साल के अन्तराल में विवि को 29 पायदान ऊपर स्थान मिला है। ईडीयू रैंकिंग अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी प्रदर्शन, गैरशैक्षणिक प्रतिष्ठान और पूर्व छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में भारत के टॉप 50 में स्थान पाने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। उत्तर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की संयुक्त रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के योगदान की सराहना की।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

ईडीयू रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को मिला 29वां स्थान

स्वतंत्र भारत, संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। हाल ही में जारी करी गई ईडीयू रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को देश में 29 वें एवं विश्व की समग्र रैंकिंग में 1773 वें स्थान पर रखा गया है। विगत वर्ष ईडीयू रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को देश भर के विश्वविद्यालयों में 58वीं रैंक हासिल हुई थी। ईडीयू की रैंकिंग 3 प्रमुख मानकों - अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी प्रदर्शन, गैर-शैक्षणिक प्रतिष्ठा, और पूर्व छात्रों के प्रदर्शन, संस्थान की गुणवत्ता के आधार पर निर्धारित करी जाती है।

इस रैंकिंग में भारत के टॉप 50 में स्थान पाने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। उत्तर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की सयुंक्त रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को चतुर्थ स्थान (भारतीय प्रद्योगिकी संस्थान कानपुर को प्रथम, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को द्वितीय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को तृतीय) को मिला है। देश के सभी विश्वविद्यालयों में से केवल चुनिंदा राज्य विश्वविद्यालय ही टॉप रैंकिंग में अपना स्थान दर्ज करा सके हैं जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय भी शालि है। रैंकिंग में शामिल केवल विश्वविद्यालओं की सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 16 वां स्थान प्राप्त किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने शैक्षणिक क्षेत्र में बहुआयामी विकास एवं गुणवत्ता परक शिक्षण के साथ शोध को बढ़ावा देने वाले अनेक नए कदमों को निर्याणक बताते हुए इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षको के योगदान की सराहना की है। कहा कि सभी के एकजुट प्रयासों से ही विश्वविद्यालय की गुणवत्ता में और उच्च मानदंड स्थापित किये जा सकते हैं। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक परिवर्तन आएगा बल्कि यह राष्ट्र निर्माण भी होगा।

बांग्लादेश के उच्चायुक्त ने लविवि कुलपति से की मुलाकात

स्वतंत्र भारत, संवाददाता लखनऊ। बांग्लादेश के उच्चायुक्त जनाब मोहम्मद इमरान और उनके राजनीतिक सलाहकार ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लविवि कुलपति से बांग्लादेश में शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की अपेक्षा की। उच्चायुक्त लविवि के पिछले दो साल में हुई नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं विश्वविद्यालय के छात्रों को इसके अंतर्गत प्रदान की गई फ्लैक्सिबल एंट्री और एग्जिट सुविधाओं से काफी प्रभावित हुए। उच्चायुक्त ने कुलपति को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान पर एक पुस्तक भेंट की। वहीं लविवि कुलपति ने उनको लखनऊ विश्वविद्यालय की कॉफी टेबल बुक भेंट की।

लविवि के कुलपति ने कहा कि वह बांग्लादेश को नई प्रणाली की खूबियों को समझने में मदद कर सकते हैं जो खतरों के समूची विकास के अनुकूल है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करती है और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमी तौर पर तैयार करती है। प्रो. राय ने पिछले तीन दशकों में बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था के संरचित विकास के विवरण की भी सराहना की। दोनों ने निजी विश्वविद्यालयों के बारे में अपनी चिंताओं को साझा किया और अकादमिक आदान-प्रदान के माध्यम से परस्पर सीखने की आशा व्यक्त की। उच्च युक्त ने कहा कि चालीस हजार से अधिक भारतीय बांग्लादेश में विश्व के दूसरे सबसे बड़े परिधान उद्योग की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक गौरव बनाए रखने वाली तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता पर भी चर्चा की। प्रो. पूनम टंडन, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो राकेश चंद्र, डीन एकेडमिक, प्रोफेसर राजीव पांडे, डीन रिसर्च और प्रो संगीता साहू भी चर्चा में उपस्थित रहे।

JAGRAN CITY PAGE I & III

लवि में कालेजों के प्राचार्यों की बैठक आज

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को पीएचडी कराने का मौका दे रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार की अध्यक्षता में प्राचार्यों की बैठक दोपहर 12 बजे बुलाई गई है। इसमें पीएचडी की खाली सीटों के निर्धारण, नए पीएचडी अध्यादेश के अंतर्गत प्रवेश, शैक्षिक सत्र 2021-22 की परीक्षा, मूल्यांकन व आगामी नए सत्र के प्रवेश आदि पर चर्चा होगी। (जासं)

क्षय रोगियों से मिलकर जानीं समस्याएं

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य और पं. दीनदयाल शोध पीठ ने 25 क्षय रोगियों को गोद लिया है। बुधवार को विभाग के हेड प्रो. एके भारतीय ने क्षय रोगियों के साथ मुलाकात की। उन्होंने इनकी स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी ली। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डा. गरिमा सिंह व अन्य छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। (जासं)

आर्ट्स कालेज में बनेंगे तितली और चिड़िया पार्क

जागरण विशेष

अखिल सक्सेना • लखनऊ

अब लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय (आर्ट्स कालेज) में खाली पड़ी जमीन पर तितली व चिड़िया पार्क बनाया जाएगा। विभिन्न प्रकार की तितलियों को आकर्षित करने के लिए सुगंधित पौधे लगाए जाएंगे। उनके लिए पानी, कटे फल आदि की व्यवस्था की जाएगी। चिड़िया पार्क में बर्ड भी टावर तैयार किए जाएंगे, जहां उनके लिए लकड़ी व टेराकोटा के घोंसलों की व्यवस्था की जाएगी। इन दोनों पार्कों को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय के वन्यजीव विज्ञान संस्थान ने सर्वे करके स्थान चिह्नित कर लिया है।

नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान में तितली पार्क बना है, जहां विभिन्न प्रकार की तितलियों का संरक्षण किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के वन्यजीव विज्ञान संस्थान की को-आर्डिनेटर प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में दोनों पार्क तैयार करने की योजना बनी है। तितली पार्क बनने से विद्यार्थी उनके बारे में अच्छे से समझेंगे। फोटोग्राफी के साथ-साथ टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। खास कर शोधार्थियों को तितलियों पर शोध में मदद मिलेगी। जल्द ही पार्क की डिजाइन तैयार की जाएगी।

आकर्षक होगा चिड़िया पार्क : कालेज के पीछे की खाली जमीन पर चिड़िया पार्क भी बनेगा। उसे आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। यहां बहुत से पुराने पेड़ हैं। उनमें ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि चिड़िया आसानी से वहां रह सकें। फाख्ता, कबूतर, मैना, धनेश, ट्री पाई, गौरैया, उल्लू, राबिन सहित विभिन्न प्रकार की चिड़ियों के लिए घोंसले की व्यवस्था की जाएगी। कालेज के प्राचार्य आलोक कुमार से भी दोनों पार्क विकसित करने के लिए बात हो गई है।

कला एवं शिल्प महाविद्यालय में इसी खाली जमीन पर बनेगा तितली पार्क • सौजन्य : लवि

लगेंगे ये पौधे

तितलियों को आकर्षित करने के लिए पार्क में लैटाना, गुलमोहर, अमलतास, बेला, लिकोना, लिली सहित कई तरह के सुगंधित फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। खासकर ऐसे पौधे रोपे जाएंगे, जिन पर तितलियां प्रजनन करती हैं। पार्क बनने से विभिन्न प्रकार की तितलियों का संरक्षण भी हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पार्क की जगह लगे पेड़ों को भी संरक्षित किया जाएगा।

ईडीयूरैंक की वर्ल्ड रैंकिंग में लवि को 29वां स्थान मिला

जासं, लखनऊ : एक बार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) अपने शोध और शैक्षिक गुणवत्ता की वजह से वर्ल्ड रैंकिंग में जगह बनाने में सफल रहा है। वर्ल्ड रैंकिंग में विश्वविद्यालय को देश में 29वां और वर्ल्ड में 1,773 स्थान मिला है। इसके लिए अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी प्रदर्शन, को-करिकुलर एक्टिविटीज और पूर्व विद्यार्थियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन की गुणवत्ता के मानक देखे गए थे। बुधवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी सूचना जारी की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के योगदान की सराहना की।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पिछले साल ईडीयूरैंक की ओर से लवि को 58वीं रैंक हासिल हुई थी। इस बार 29वां स्थान मिला है। इस रैंकिंग में भारत के टाप 50 में स्थान पाने वालों में लवि उत्तर प्रदेश का एकमात्र राज्य विश्वविद्यालय है। प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की सयुंक्त रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय को चौथा स्थान मिला है। वहीं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर प्रथम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वितीय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने तीसरा प्राप्त किया है।

उन्होंने बताया कि रैंकिंग में शामिल सिर्फ विश्वविद्यालयों की सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 16वां स्थान प्राप्त किया है। प्रो.पूनम टंडन ने बताया कि ईडीयूरैंक एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी है। इस बार उन्होंने 183 देश की 14,160 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग की है।

लवि कुलपति से मिले बांग्लादेश के उच्चायुक्त

जासं, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिलने के बाद बुधवार को बांग्लादेश के उच्चायुक्त मो. इमरान और उनके राजनीतिक सलाहकार मो. शफीउल आलम ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ बैठक की। एक घंटे तक चली बैठक में ब्रेक सहित बांग्लादेश में शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशी गई। कुलपति ने उच्चायुक्त को विश्वविद्यालय के पिछले दो साल में हुए नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं विद्यार्थियों को इसके अंतर्गत दी गई सुविधाओं की जानकारी दी। प्रो. राय ने पेशकश की है कि वह बांग्लादेश को नई प्रणाली की खूबियों को समझने में मदद कर सकते हैं। उच्चायुक्त ने बताया कि 40 हजार से अधिक भारतीय बांग्लादेश में विश्व के दूसरे सबसे बड़े परिधान उद्योग की मदद कर रहे हैं। उच्चायुक्त ने कुलपति को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान पर लिखी एक पुस्तक भेंट की। वहीं, कुलपति ने उन्हें लखनऊ विश्वविद्यालय की काफी टेबल बुक भेंट की।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात करते बांग्लादेश के उच्चायुक्त मो. इमरान • सौ : लखनऊ विश्वविद्यालय

TOI PAGE 2

B'desh high commissioner, LU V-C explore tie-up prospects

TIMES NEWS NETWORK

LU V-C Prof AK Rai welcomes Bangladesh high commissioner Mohd Imran

Lucknow: High commissioner of Bangladesh Mohammad Imran and his political counsellor met Lucknow University vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai to explore the possibility of collaboration with top universities in Bangladesh.

"The commissioner during his interaction asked about the National Education Policy and international flexibility arrangements through multiple exit options at Lucknow University. I offered to help them understand the merits of the new system which is student-friendly, ensures quality education and would take care of international parity," said Rai.

Imran mentioned that more than 40,000 Indians were helping the large garment industry in Bangladesh. There was also a discussion on women's empowerment, and the need for technical education to retain national and cultural pride.

TRUE TIMES

बांग्लादेश के उच्चायुक्त और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति की हुई मुलाकात

टू टाइम्स संवाददाता

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महामहिम आनंदीबेन पटेल द्वारा सलाह के उपरांत, बांग्लादेश के उच्चायुक्त जनाब मोहम्मद इमरान और उनके राजनीतिक सलाहकार ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के साथ एक घंटे की लंबी बैठक की, जिसमें ब्रेक सहित बांग्लादेश में शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशी गईं। उच्चायुक्त लखनऊ विश्वविद्यालय के पिछले 2 साल में हुए नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं विश्वविद्यालय के छात्रों को इसके अंतर्गत प्रदान की गई फ्लैक्सिबल एंट्री और एग्जिट सुविधाओं से काफी प्रभावित हुए।

प्रो राय ने पेशकश की कि वह बांग्लादेश को नई प्रणाली की खूबियों को समझने में मदद कर सकते हैं जो खतरों के समूची विकास के अनुकूल है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करती है और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमी तौर पर तैयार करती है। प्रो. राय ने पिछले तीन दशकों में बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था के संरचित विकास के विवरण की भी सराहना की। दोनों ने निजी विश्वविद्यालयों के बारे में अपनी चिंताओं को साझा किया और अकादमिक आदान-प्रदान के माध्यम से परस्पर सीखने की आशा व्यक्त की। उच्च युक्त ने उल्लेख किया कि चालीस हजार से अधिक भारतीय बांग्लादेश में विश्व के दूसरे सबसे बड़े परिधान उद्योग की मदद कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण, तथा राष्ट्रीय और सांस्कृतिक गौरव बनाए रखने वाली तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। प्रो. पूनम टंडन, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो राकेश चंद्र, डीन एकेडमिक, प्रोफेसर राजीव पांडे, डीन रिसर्च और प्रो संगीता साहू भी चर्चा में उपस्थित थे. उच्चायुक्त ने कुलपति को बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान पर एक पुस्तक भेंट की और कुलपति ने उन्हें लखनऊ विश्वविद्यालय की कॉफी टेबल बुक भेंट की।